दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२८२ वा | सोमवार १२ मे २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

महाराष्ट्र में जल्द बंद होंगी सभी आरटीओ सीमा चौकियां, अदानी कंपनी को मिलेगा ५०४ करोड़ मुआवजा

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

महाराष्ट्र में मोटर परिवहन विभाग की सभी राज्य सीमाओं पर स्थापित चेकपोस्ट (सीमा चौकियां) को स्थायी रूप से बंद करने की तैयारी चल रही है। वस्तु एवं सेवा कर (ऋडढ) व्यवस्था लागू होने के बाद से विवादों में घिरी इन चौकियों पर हो रही कथित अवैध वसूली की शिकायतों के चलते यह निर्णय लिया गया है। हालांकि, इसके एवज में राज्य सरकार को अदानी प्रा. लि. कंपनी को ५०४ करोड़ रुपये का मुआवजा देना होगा।

राज्य में १९६६ से वाहन आवागमन पर नियंत्रण, नियमों का पालन और सड़क कर वसूली के लिए परिवहन विभाग द्वारा ये चेकपोस्ट स्थापित की गई थीं। लेकिन ऋडढ लागू होने और डिजिटल निगरानी व्यवस्था की प्रगति के बाद इन चेकपोस्टों की उपयोगिता कम होती चली गई। राज्य ट्रांसपोर्ट यूनियन ने इन चौकियों से होने वाली अवैध वसूली की कई बार शिकायत की थी।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने भी इन चौकियों को बंद करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद परिवहन विभाग ने प्रशासनिक बाधाओं को दूर करते हुए एक सकारात्मक रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी है। मुख्यमंत्री की मंजूरी मिलने के बाद यह निर्णय अमल में लाया जाएगा।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में मोटर परिवहन और सीमाशुल्क विभाग की संयुक्त निगरानी के लिए इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट परियोजना के तहत अदानी प्रा. लि. कंपनी को यह ठेका दिया गया था। करार के अनुसार यदि चेकपोस्ट बंद किए जाते हैं, तो सरकार को कंपनी को ५०४ करोड़ रुपये बतौर मुआवजा देना अनिवार्य होगा। इसके बाद तकनीकी उपकरण और स्थायी संपत्तियां परिवहन विभाग के अधीन हो जाएंगी।

इस संबंध में परिवहन आयुक्त की अध्यक्षता में गठित समिति ने इस बदलाव के प्रभावों और लाभों का गहन अध्ययन कर रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑनलाईन प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के माध्यम से प्रत्यक्ष जांच की आवश्यकता को प्रभावी ढंग से समाप्त किया जा सकता है। इससे कामकाज में दक्षता बढ़ेगी, देरी में कमी आएगी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा।

इस निर्णय के बाद महाराष्ट्र भी उन १८ आधुनिक राज्यों की श्रेणी में आ जाएगा, जहां कागज रहित, तकनीकी आधारित और पारदर्शी परिवहन निगरानी प्रणाली को अपनाया गया है।

सीमा चौकियों के बंद होने से होने वाले लाभ:

वाहन चालकों की परेशानियां कम होंगी

सड़क सुरक्षा में सुधार होगा

अंतरराज्यीय परिवहन में सुगमता आएगी

व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही बाधारहित होगी

परिवहन विभाग की समिति द्वारा तैयार की गई इस रिपोर्ट को मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंपा गया है और अंतिम निर्णय की प्रतीक्षा की जा रही है।

भारत-पाक संघर्षविराम पर आरोपों के बावजूद शांति बनी रही, वैश्विक नेताओं ने वार्ता पर दिया जोर

बर्लिन । जर्मन टीवी रिपोर्ट

भारत और पाकिस्तान की ओर से एक-दूसरे पर संघर्षविराम के उल्लंघन के आरोप लगाए जाने के बावजूद रविवार, ११ मई को दोनों देशों के बीच युद्धविराम की स्थिति बनी रही। हालिया सैन्य तनाव के बाद यह एक राहत भरा दिन रहा, हालांकि शुरुआत में दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देशों ने एक-दूसरे पर युद्धविराम तोड़ने के आरोप लगाए थे।

बीते चार दिनों तक भारत-पाक सीमा पर मिसाइल, ड्रोन हमलों और तोपों से भारी गोलीबारी हुई थी। इसके बाद शनिवार को अचानक दोनों देशों ने युद्धविराम की घोषणा की थी। इस संघर्ष में अब तक कम से कम ६० लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह टकराव १९९९ की कारगिल जंग के बाद अब तक का सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष माना जा रहा है।

शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर बयान जारी करते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच तत्काल और पूर्ण युद्धविराम की घोषणा की। उन्होंने बताया कि यह निर्णय अमेरिकी मध्यस्थता में हुई एक लंबी वार्ता रात के बाद लिया गया।

रविवार सुबह भारत के विदेश सचिव ने दावा किया कि पाकिस्तान की ओर से लगातार युद्धविराम का उल्लंघन किया गया, जिसके जवाब में भारत ने जवाबी कार्रवाई की। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने कहा कि वह युद्धविराम का पालन कर रहा है और भारतीय हमलों का जवाब संयम और जिम्मेदारी से दे रहा है। नियंत्रण रेखा (डेउ) के पास भारतीय क्षेत्र में स्थित कई गांवों के निवासियों ने बताया कि युद्धविराम की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तान की ओर से फिर से भारी गोलाबारी शुरू हो गई थी। जम्मू-कश्मीर के पुंछ ज़िले के कोट मीरा गांव के निवासी बेरी राम का चार कमरों का मकान शेलिंग में पूरी तरह ढह गया, और उनकी तीन भैंसें भी मारी गईं। बेरी राम ने कहा, सब कुछ खत्म हो गया है।

अंतरराष्ट्रीय नेताओं ने दोनों देशों से अपील की है कि वे संयम बरतें और आपसी संवाद से विवादों का शांतिपूर्ण समाधान निकालें।

भारतीय सेना को मिलेगा ह्यूमनॉइड रोबोट: युद्धक्षेत्र में सैनिकों का बनेगा सहायक

नई दिल्ली: संवादाता

भारतीय सेना को जल्द ही ऐसा अत्याधुनिक रोबोट मिलने जा रहा है जो युद्ध जैसे जटिल हालात में इंसानों की तरह काम करेगा और सैनिकों का सहयोगी बनेगा। दरअसल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (ऊठऊज) के वैज्ञानिक एक विशेष ह्यूमनॉइड रोबोट पर कार्य कर रहे हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य युद्ध के समय सैनिकों के जोखिम को कम करना है।

ऊठऊज की पुणे स्थित प्रयोगशाला 'अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान' दो पैरों वाले ऐसे रोबोट को विकसित कर रही है, जो ऑपरेटर के आदेशों को समझकर अत्यंत जटिल कार्यों को भी अंजाम देने में सक्षम होगा। हाल ही में पुणे में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस्ड लेग्ड रोबोटिक्स में इस युद्धक रोबोट का पहली बार प्रदर्शन किया गया।

ऊठऊज के सेंटर फॉर सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज के समूह निदेशक एस. ई. टालोले के अनुसार यह रोबोट न केवल हर तरह के भू-भाग पर चलने में सक्षम होगा, बल्कि इंसानों द्वारा उपयोग किए जाने वाले औजारों को भी संभाल सकेगा। फिलहाल यह प्रोजेक्ट एडवांस्ड डेवलपमेंट फेज़ में है और डेवलपर्स इसमें लगातार सुधार कर रहे हैं ताकि यह निर्देशों को सटीकता से समझ सके।

टालोले ने यह भी बताया कि ये ह्यूमनॉइड रोबोट सेना में निगरानी, युद्ध इंजीनियरिंग, रसद, और युद्ध सहयोग मिशनों में उपयोगी सिद्ध होंगे। खास बात यह है कि यह रोबोट गिरने या धक्का लगने की स्थिति में खुद को संतुलित करने में सक्षम होगा, रियल टाइम मैपिंग करेगा और दुश्मन के इलाकों में जटिल ऑपरेशन्स को भी अंजाम दे सकेगा।

स्पष्ट है कि आने वाले समय में यह तकनीक भारतीय सेना की ताकत को एक नई ऊंचाई तक ले जाएगी और देश की सुरक्षा प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाएगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त की माकपा प्रतिनिधिमंडल से बातचीत, चुनाव प्रक्रिया को मजबूत बनाने पर जोर

मुंबई, ११ मई । विशेष प्रतिनिधि

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू एवं डॉ. विवेक जोशी ने रविवार को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई-एम) के महासचिव एम. ए. बेबी के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल से दिल्ली स्थित निर्वाचन सदन में मुलाकात की। यह बैठक आयोग द्वारा राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ चल रही संवाद श्रृंखला का हिस्सा थी, जिसका उद्देश्य दलों की सुझावों और चिंताओं को सीधे आयोग तक पहुँचाना है।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को मौजूदा कानूनी ढांचे के तहत सभी संबंधित पक्षों की भागीदारी से और अधिक सुदृढ़ बनाना है। इससे पहले आयोग ने ६ मई को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की नेता मायावती और ८ मई को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडलों से भी चर्चा की थी।

अब तक आयोग द्वारा कुल ४,७१९ सर्वदलीय बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं, जिनमें मुख्य चुनाव अधिकारियों द्वारा ४०, जिला चुनाव अधिकारियों द्वारा ८००, और मतदाता पंजीकरण अधिकारियों द्वारा ३,८७९ बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों के माध्यम से अब तक २८,००० से अधिक राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भागीदारी दर्ज कराई है।

चुनाव आयोग के इस संवादात्मक अभियान को चुनावी व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और सहभागी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बुद्ध विहार में धम्म संस्कार से आदर्श समाज का निर्माण करें-पूज्य भिक्षु धम्मशील थेरो

भव्य रैली निकालकर भीमराज नगर में बुद्ध प्रतिमा की प्रतिष्ठापना संपन्न

बीड, ११ मई (प्रतिनिधि)

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा १४ अक्टूबर १९५६ को नागपुर में धम्म दीक्षा लेकर समाज को दया, क्षमा, शांति, करुणा और मैत्री का संदेश देने वाला तथागत बुद्ध का धम्म प्रदान किया गया था। उसी धम्म के प्रचार-प्रसार हेतु और सम्यक सम्बुद्ध जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को एक भव्य आयोजन के तहत बुद्ध प्रतिमा की प्रतिष्ठापना की गई।

यह भव्य रैली छत्रपती शिवाजी महाराज की प्रतिमा से शुरू होकर भीमराज नगर राजुरीगेट तक निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में अनुयायियों ने भाग लिया। रैली के समापन पर भीमराज नगर स्थित बुद्ध विहार में बुद्ध प्रतिमा की प्रतिष्ठापना की गई। इस अवसर पर पूज्य भिक्षु धम्मशील थेरो, भिक्षु डॉ. इंदवंस महाथेरो, भिक्षु

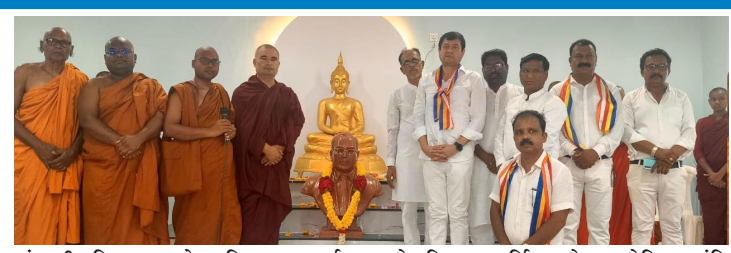

चंद्रमुनी, भिक्षु धम्मघोष, भिक्षु पय्यावर्धन जैसे पूज्य संतों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित उपासक-उपासिकाओं को धम्म देशना दी गई और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया गया।

प्रमुख वक्तव्य में भिक्षु धम्मशील थेरो ने कहा:

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने समाज को मुख्यधारा में लाने के लिए सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और राजनैतिक क्रांति की। उन्होंने धम्म दीक्षा लेकर धम्म क्रांति की शुरुआत की, और तथागत का वह धम्म आज भी प्रासंगिक है। इस धम्म का प्रचार और पालन करना हर आंबेडकरी अनुयायी की जिम्मेदारी है।

उन्होंने अपील की कि प्रत्येक रविवार उपासक-उपासिकाओं को बुद्ध विहार जाकर बुद्ध वंदना करनी चाहिए और धम्म के मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आज दुनिया को युद्ध की नहीं, बुद्ध के तत्त्वज्ञान की ज़रूरत है। शांति से जीने के लिए बुद्ध के दर्शन के सिवाय कोई विकल्प नहीं है।

इस आयोजन में मुख्य आयोजक थे:

युवा रिपब्लिकन पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष पप्पू कागदे, प्रा. प्रदीप रोडे, अमरसिंह ढाका, ड. भगवान कांडेकर, गौतम चोपडे, आदि।

उपस्थित गणमान्य नागरिकों में शामिल थे:राजू जोगदंड, रमेश गंगाधरे, किसन तांगडे, ॲड. सुरेश वडमारे, डी. जी. वानखेडे, अरुणराव कागदे, विष्णु वाघमारे, रणजित क्षीरसागर, प्रशांत वासनिक, ॲड. तेजस वडमारे, प्रा. राम गायकवाड, बापू पवार, रमेशराव सोनवणे, मायाताई मिसळे, रेश्माताई जोगदंड, मिराताई कागदे, गयाबाई उजगरे, अलकाताई कांडेकर, अरुणाताई आठवले, संगीता वडमारे, ज्योतीताई वीर, उषाताई सोनवणे, कलावती गंगाधरे, शोभा जोगदंड, गवळण वडमारे, महेश आठवले, दयानंद उजगरे, नाना मस्के, विलास जोगदंड, भारत कांबळे, सुभाष तांगडे, भैय्यासाहेब मस्के, भैय्यासाहेब साळवे, अक्षय कोकाटे, शाम वीर, महेंद्र वडमारे, प्रभाकर चांदणे, महेंद्र कांबळे, मनोज बोराडे, धम्मा पारवेकर, महेश कागदे, संजय हनवते, सोनू वडमारे, प्रभाकर जोगदंड, दिपक ओव्हाळ, बाळु कांडेकर, गौरी वडमारे, पप्पू साळवे, कपिल साळवे, नामदेव वाघमारे, संजय कागदे, अजिंक्य वडमारे, चिंटू वडमारे, समाधान जाधव सहित बड़ी संख्या में सामाजिक व राजनैतिक क्षेत्र के प्रतिनिधि, उपासक-उपासिका उपस्थित थे।

क्या आप इस रिपोर्ट के लिए एक उचित हेडलाइन डिजाइन और फोटो कैप्शन भी चाहते हैं?

कार-बस टक्कर में युवक की मौत, कार खरीदने के अगले ही दिन हुआ हादसा

गेवराई, ११ मई (प्रतिनिधि)

धुळे-शेगाव राष्ट्रीय महामार्ग पर बाळापूर के पास शनिवार देर रात करीब साढ़े तीन बजे एक भीषण सड़क दुर्घटना में गेवराई तालुका के एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक पवन राठोड़ ने कुछ ही घंटे पहले अपनी पहली कार खरीदी थी, लेकिन यह खुशी अधिक समय तक टिक नहीं सकी।

मृतक युवक की पहचान पवन रावसाहेब राठोड़ (उम्र ३० वर्ष, निवासी रोकडा-जातेगाव, तालुका गेवराई) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, पवन दो दिन पहले अपने गांव से कार खरीदने के लिए धुळे गया था। शनिवार रात कार लेकर घर लौटते समय धुळे-शेगाव महामार्ग पर बाळापूर के समीप उसकी कार को एक बस ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पवन राठोड़ की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की खबर मिलते ही पवन के गांव जातेगाव में शोक की लहर दौड़ गई। पवन के भाई डॉ. जीवन राठोड़ सहित ग्रामीण तत्काल दुर्घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस द्वारा पंचनामा और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने के बाद रविवार को दोपहर करीब ४ बजे पवन का अंतिम संस्कार उनके मूल गांव रोकडा में किया गया।

पवन राठोड़ की असमय मृत्यु से उनके परिवार पर दुःख का पहाड़ टूट पड़ा है और पूरे गेवराई क्षेत्र में शोक और संवेदना का वातावरण बना हुआ है। क्या आप इस खबर के लिए एक संक्षिप्त हेडलाइन और इमोशनल फोटो कैप्शन भी चाहते हैं?

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

भिवंडी के आरिफ गार्डन में बागवानी विभाग के अधिकारियों का अचानक निरीक्षण, प्रशिक्षण के लिए गैर-प्रमाणित मालियों को भेजने का निर्णय

भिवंडी।
बी जेड खान

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के अंतर्गत आरिफ गार्डन, मिल्लत नगर (जिसकी देखभाल की जिम्मेदारी नेबर्स ऑफ मिल्लत नगर फाउंडेशन को सौंपी गई है) में आज बागवानी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों *क्षिरसागर साहब* और *संखे साहब* ने अचानक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान *क्षिरसागर साहब* ने मालियों को कड़ी फटकार लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि वे अपने कर्तव्यों का ठीक से पालन नहीं करेंगे, तो उन्हें बागवानी विभाग से हटाकर सफाई कर्मचारियों की सूची में शामिल कर दिया जाएगा। उन्हें बताया गया कि मालियों के पास बागवानी का कोई डिप्लोमा नहीं है, जिस पर नाराज होकर अधिकारियों ने सभी मालियों को तुरंत प्रशिक्षण प्राप्त करने का आदेश दे दिया।

आरिफ गार्डन में सुधार के उपाय:

नेबर्स ऑफ मिल्लत नगर फाउंडेशन और मोहल्ले के बुजुर्गों के संयुक्त प्रयासों से आरिफ गार्डन की हालत में काफी सुधार आया है। यहां पेंटिंग का काम किया गया है, दीवार फांदकर आने से रोकने के लिए कांटेदार तारों से घेरा गया है। पानी और सफाई का बेहतर प्रबंधन किया गया है। *एमएलए महेश चौगुले साहब* के सहयोग से शौचालय का निर्माण पूरा हो चुका है। अतिरिक्त पौधे लगाए गए हैं और समाज-विरोधी तत्वों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है।

विकास योजनाएं:

नेबर्स ऑफ मिल्लत नगर फाउंडेशन* द्वारा उर्दू और मराठी में निर्देश बोर्ड लगाए गए हैं।

फाउंडेशन के संस्थापक *हाजी बदीउज्जमान खान साहब* के अनुसार, अब केवल उचित रोशनी का प्रबंधन शेष है। नगर पालिका के बिजली विभाग ने सर्वे पूरा कर लिया है, जिसके तहत *३९ बिजली के बल्ब* लगाने का प्रस्ताव पास हो चुका है। जल्द ही *२० फीट ऊंचे ३९ खंभे* स्थापित किए जाएंगे।

इंजीनियर जावेद आज़मी* ने बच्चों के खेलने के लिए विकास योजना तैयार की है, जिसे एमएलए फंड से पूरा किया जाएगा।

इंजीनियर वसीम शेख* ने जॉगर्स ट्रैक की योजना बनाकर नगर निगम को भेज दी है।

महिलाओं के लिए विशेष समय:

आरिफ गार्डन में महिलाओं के लिए शाम ४ से ६ बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। नेबर्स ऑफ मिल्लत नगर के समय पर किए गए प्रयासों से अब गार्डन में महिलाओं की संख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई है।

निजी सहयोग से सुधार:

ध्यान रहे कि आरिफ गार्डन का सुधार फाउंडेशन और क्षेत्र के निवासियों के निजी खर्च और रुचि से सफल हुआ है। मिल्लत नगर और आसपास के लोग आरिफ गार्डन को और अधिक सुंदर बनाने तथा इसे एक आदर्श पिकनिक स्थल के रूप में विकसित करने में जुटे हुए हैं।

परळी-अंबाजोगाई में दहशत फैलाने वाले गिरोह पर लगाया गया मकोका

बीड, ११ मई (प्रतिनिधि):

बीड जिले में अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस अधीक्षक नवनीत कवठ द्वारा सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में परळी और अंबाजोगाई क्षेत्र में दहशत फैलाने वाले एक संगठित आपराधिक गिरोह पर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत कार्रवाई की गई है।

इस गिरोह के खिलाफ परळी शहर, संभाजीनगर और अंबाजोगाई ग्रामीण क्षेत्र में मारपीट, रंगदारी, चोरी, हत्या की कोशिश जैसे गंभीर अपराधों के कुल १० मामले दर्ज हैं। इनमें से ९ मामले अदालत में विचाराधीन हैं और एक प्रकरण पुलिस जांच में है।

गिरफ्तार आरोपियों में शामिल हैं: रघुनाथ रामराव फड (३० वर्ष, निवासी रामनगर, परळी)

जगनाथ विक्रम फड (४५ वर्ष, बजरंग नगर, परळी)

सुदीप रावसाहेब सोनवणे (२८ वर्ष, सिद्धार्थ नगर, परळी)

बालाजी अंकुश दहिफळे (२४ वर्ष, माणिक नगर, परळी)

विलास बालाजी गित्ते (२७ वर्ष, नंदगौळ, परळी)

धनराज उर्फ राजेभाऊ श्रीरंग फड (३२ वर्ष, कन्हेरवाडी)

ग्यानदेव उर्फ गोट्या मारुती गित्ते (३१ वर्ष, नंदगौळ, परळी)

गिरोह ने हाल ही में परळी के किसान सहदेव सातभाई को रास्ते में रोककर लाठियों और डंडों से गंभीर रूप से पीटा था और उसकी जेब से २ लाख ७० हजार रुपये भी लूट लिए थे। इस घटना के बाद यह गिरोह पुलिस की नजर में आया।

गिरोह के खिलाफ दर्ज अपराधों में हत्या की कोशिश, गंभीर मारपीट, षड्यंत्र, अवैध

१६ या १७ मई से आयपीएल टूर्नामेंट होंगी शुरू

दिल्लीः संवादाता

भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर पर दोनों पक्ष सहमत हो गए हैं. कुछ रिपोर्ट्स अनुसार अब BCCI जल्द आईपीएल २०२५ को दोबारा शुरू करने का एलान कर सकती है. अटकलें हैं कि १६ या १७ मई को टूर्नामेंट को दोबारा शुरू करवाया जा सकता है, वहीं ३० मई या १ जून को फाइनल खेला जा सकता है. अब एक नए अपडेट अनुसार गुजरात टाइटंस दोबारा अभ्यास शुरू करने वाली पहली टीम बन गई है.

टाइम्स ऑफ इंडिया अनुसार भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर पर सहमति बनने के बाद गुजरात टाइटंस ने अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में प्रैक्टिस शुरू कर दी है. बता दें कि गुजरात अभी खझड २०२५ की पॉइंट्स टेबल में १६ अंकों के साथ पहले स्थान पर विराजमान है. टाइम्स ऑफ इंडिया के हवाले से गुजरात टीम के एक अधिकारी ने बताया कि टीम बहुत अच्छी स्थिति में है और एक बार फिर दहाड़ने को तैयार है. बीसीसीआई ने सभी १० टीमों से आग्रह किया है कि वो जल्द से जल्द टीम के खिलाड़ियों को इकट्ठा करें. टूर्नामेंट में अभी १६ मैच (प्लेऑफ सहित) बाकी हैं, जिनकी शुरुआत १६ मई से हो सकती है. इसी रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि गुजरात की पूरी टीम एकजुट हो गई है और एकसाथ अभ्यास करती दिखी. अभी सिर्फ जोस बटलर और गेराल्ड कोएत्जी टीम का हिस्सा नहीं हैं.

गोदावरी नदी से अवैध रेत ले जा रहे दो ट्रैक्टर जब्त, १८.१२ लाख का माल बरामद

माजलगांव, ११ मई (प्रतिनिधि)

माजलगांव तालुका के काळेगावथडी शिवार क्षेत्र में गोदावरी नदी से अवैध रूप से ट्रैक्टर के माध्यम से रेत की ढुलाई की जा रही थी। इस सूचना पर माजलगांव ग्रामीण पुलिस ने शनिवार (१० मई) सुबह ९ बजे के आसपास कार्रवाई करते हुए दो ट्रैक्टरों सहित कुल १८ लाख १२ हजार रुपये का अवैध माल जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार, गोदावरी नदी क्षेत्र से अवैध रेत ढुलाई करते हुए जिन व्यक्तियों पर कार्रवाई की गई है, वे हैं –

परमेश्वर बाबूराव वजीर (निवासी: हिवरा बु., तालुका माजलगांव)

विजय राजू साळवे (निवासी: शेलगावथडी, तालुका माजलगांव)

अशोक नारायण कदम (निवासी: टाकरवन)

साधू महादेव फुलवरे (निवासी: पंचशीलनगर, माजलगांव)

कार्रवाई के दौरान जब्त सामग्री में शामिल हैं:एक लाल रंग का अर्जुन ट्रैक्टर (अनुमानित कीमत ९,००,०००)

एक नीली ट्रॉली (कीमत १,००,०००)

उसमें लदी एक ब्रास रेत (कीमत ६,०००)

जॉन डिअर कंपनी का ट्रैक्टर (अनुमानित कीमत ७,००,०००)

एक लाल रंग की ट्रॉली (कीमत १,००,०००)

उसमें लदी एक ब्रास रेत (कीमत ६,०००)

इस प्रकार कुल मिलाकर १८,१२,००० रुपये मूल्य का अवैध रेत से संबंधित माल जब्त किया गया है। मामले की आगे की जांच माजलगांव ग्रामीण पुलिस द्वारा की जा रही है।

क्या आप इसके लिए एक संक्षिप्त हेडलाइन और फोटो कैप्शन भी चाहते हैं?

अंबाजोगाई तालुका: एक और किसान की आकाशीय बिजली से मौत, १० दिनों में तीसरी घटना

अंबाजोगाई, ११ मई (प्रतिनिधि)

बीड जिले में मई माह की शुरुआत से ही जारी असमय बारिश, तेज आंधी और आकाशीय बिजली ने नागरिकों में डर का माहौल पैदा कर दिया है। इसी सिलसिले में अंबाजोगाई तालुका के सायगाव गांव में रविवार (११ मई) को शाम ५ बजे बिजली गिरने से किसान दिगांबर शंकर गायकवाड की मौके पर ही मौत हो गई।

पिछले १० दिनों में बिजली गिरने से किसानों की यह तीसरी मौत है, जिससे पूरे जिले में शोक की लहर है। इससे पहले ५ मई को अंबाजोगाई तालुका के मगरवाडी गांव में खेत में काम कर रहे किसान सचिन मधुकर मगर की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हुई थी। इसके अगले ही दिन वडवणी तालुका के ढोरवाडी में किसान अभिमान नलभे की भी इसी तरह मृत्यु हुई थी।

मौसम विभाग द्वारा चेतावनी दिए जाने के बावजूद लगातार हो रही इस तरह की घटनाओं ने ग्रामीण इलाकों में भय का वातावरण पैदा कर दिया है। मई माह में बीड जिले में तेज गर्मी की बजाय आंधी-बारिश और बिजली की घटनाएं चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

जहां एक ओर इस असमय बारिश से तापमान में कुछ कमी आई है, वहीं दूसरी ओर बादलों से ढके वातावरण के चलते मौसमी बीमारियों में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है। कृषि कार्य में जुटे किसानों की लगातार हो रही मौतों से ग्रामीण समाज में गहरी चिंता और दुख का माहौल है। प्रशासन से किसानों की सुरक्षा के लिए ठोस उपाय करने की मांग उठ रही है। क्या आप इसके लिए एक उपयुक्त शीर्षक और फोटो कैप्शन भी चाहते हैं?

ब्रिटिश मीडिया: तनाव की तीव्रता और परमाणु खतरा

फाइनेंशियल टाइम्स ने लिखा कि

२०१६ और २०१९ की तुलना में, इस बार भारत और पाकिस्तान के बीच का टकराव कहीं अधिक गंभीर था। इस बार दोनों देशों ने एक-दूसरे के हवाई अड्डों को निशाना बनाया और ड्रोन हमले किए।

टेलीग्राफ ने कहा,

भारत और पाकिस्तान युद्ध के कगार पर पहुंच गए थे। ऐसी सैन्य कार्रवाइयाँ पिछली बार १९७१ की जंग में देखी गई थीं, जब बांग्लादेश का निर्माण हुआ था।

टेलीग्राफ ने यह भी उल्लेख किया कि

भारत ने तीन पाकिस्तानी हवाई ठिकानों को निशाना बनाया, जबकि पाकिस्तानी जेट विमानों ने तुरंत प्रतिक्रिया में सीमा पार भारतीय ठिकानों पर हमला किया। आज और १९७१ में मुख्य अंतर यह है कि तब किसी के पास परमाणु हथियार नहीं थे, लेकिन आज हैं।

अरब मीडिया: युद्धविराम की घोषणा और मानवीय पहलू

अरब न्यूज डॉट कॉम ने लिखा,

भारत और पाकिस्तान ने एक-दूसरे पर युद्धविराम के उल्लंघन का आरोप लगाया है। यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के कुछ घंटे बाद आया। ट्रंप ने चार दिन के संघर्ष के बाद युद्धविराम की घोषणा की थी। इन हमलों में कम से कम ६० लोग मारे गए थे और हजारों लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा था।

खलीज टाइम्स ने आम नागरिकों की प्रतिक्रिया को शामिल करते हुए लिखा,

दुबई में रहने वाले भारतीय नागरिक सिद्धार्थ गुप्ता ने कहा कि युद्धविराम की खबर ने उनका बोझ हल्का कर दिया है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में रहने वाले मंजूर खान ने कहा कि अब उन्हें और उनके परिवार को गोलाबारी की आवाज नहीं सुननी पड़ेगी।

सऊदी गजट डॉट कॉम ने रिपोर्ट किया,

सऊदी अरब ने भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव खत्म करने के लिए अपनी कूटनीतिक कोशिशें तेज कर दी हैं। सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री इशाक डार से फोन पर बातचीत की है।

बांग्लादेश और नेपाल के मीडिया की राय: कूटनीति और परमाणु आशंका

बांग्लादेश के अंग्रेजी अखबार डेली स्टार ने लिखा,

यह पिछले तीन दशकों में दक्षिण एशिया की सबसे गंभीर लड़ाई थी, जिससे परमाणु युद्ध का खतरा भी बढ़ गया था।

एक रिपोर्ट में अखबार ने प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस का हवाला देते हुए कहा कि

भारत और पाकिस्तान के प्रधानमंत्रियों द्वारा युद्धविराम समझौते तक पहुंचने की सराहना की जानी चाहिए। यूनुस ने इस बीच में मध्यस्थता के लिए ट्रंप का भी धन्यवाद किया।

नेपाल के अखबार 'खटमांडू पोस्ट' ने लिखा कि

अटलांटिक काउंसिल के दक्षिण एशिया सेंटर से जुड़े शुजाअ नवाज़ ने कहा है कि आने वाले दिनों में सिंधु जल समझौते को लेकर भी बातचीत की संभावना है, जिससे दोनों देश अपनी-अपनी कूटनीतिक उपलब्धियों का श्रेय ले सकें।

निष्कर्ष: वैश्विक चिंता, सतर्क आशा

दुनिया भर के मीडिया में भारत-पाक संघर्ष और युद्धविराम पर सतर्क निगाह रखी जा रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, खाड़ी देश, और दक्षिण एशियाई पड़ोसियों ने इस संकट पर टिप्पणी करते हुए शांति और बातचीत को प्राथमिकता देने की अपील की है। अब यह भारत और पाकिस्तान पर निर्भर है कि वे इस युद्धविराम को स्थायी शांति की दिशा में पहला कदम बना पाते हैं या नहीं।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com